



यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में प्रदेश की पहली फिल्म यूनिवर्सिटी बनेगी



अच्छी खबर

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, विशेष संवाददाता। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित की जा रही इंटरनेशनल फिल्म सिटी में 20 एकड़ में प्रदेश की पहली फिल्म यूनिवर्सिटी बनेगी। इसके निर्माण-विकास और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध जारी है। जल्द ही मास्टर प्लान और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाकर इसके निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। फिल्म यूनिवर्सिटी फिल्म समारोह के आयोजन का केंद्र भी होगी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का विकास यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-21 में किया जा रहा है। यह कई जोन और केटेगरी में विभाजित है। इसी के जोन-6 में फिल्म यूनिवर्सिटी के कैंपस का निर्माण और विकास प्रस्तावित है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) इस परियोजना को साकार करने में जुट गई है। यह फिल्म यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल फिल्म सिटी के लिए टैलेंट पूल की तरह काम करेगा। यूनिवर्सिटी में फिल्म निर्माण से संबंधित डायरेक्शन, स्क्रिप्ट राइटिंग, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग समेत विभिन्न प्रकार के स्पेशलाइज्ड कोर्स

20 एकड़ में
फिल्म
यूनिवर्सिटी बनेगी
नई फिल्म सिटी के
परिसर में

230 एकड़
जमीन में
इस पूरी परियोजना
के पहले फेज का
निर्माण होगा



सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के तौर पर काम करेगी

फिल्म यूनिवर्सिटी के कैंपस को इस प्रकार विकसित किया जाएगा कि यहां भविष्य में फिल्म फेस्टिवल, सेमिनार, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन हो सके। फिल्म यूनिवर्सिटी का कैंपस भविष्य में ग्रेटर नोएडा तथा यीडा क्षेत्र की सांस्कृतिक गतिविधियों का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। इस बात को ध्यान में रखकर विकास की योजना बनाई जा रही है।

लाइब्रेरी, कैफेटेरिया समेत अन्य सुविधाएं मिलेंगी

फिल्म यूनिवर्सिटीज में स्टेट ऑफ द आर्ट क्लास रूम, स्टूडियो, एडिटिंग सूट्स और वीआर लैब समेत विभिन्न प्रकार के सेटअप्स को विकसित किया जाएगा। यहां विभिन्न प्रोडक्शन हाउसेस की वर्कशॉप भी आयोजित होंगी। इंटरशिप समेत गेस्ट लेक्चर्स

की सुविधा भी उपलब्ध होगी। रिसर्च लैब और लाइब्रेरी का निर्माण भी किया जाएगा। यह फिल्मों की स्क्रिप्ट्स, स्क्रीन प्ले और लिटरेचर उपलब्ध होगा। कैंपस में कैफेटेरिया, हेल्थ सेंटर, हॉस्टल तथा स्टाफ के लिए आवासीय परिसर होगा।

संचालित होंगे। इन कोर्स के प्रशिक्षु विद्यार्थियों को फिल्म सिटी में जारी विभिन्न प्रोजेक्ट्स में काम मिल सकेगा। इससे उनकी प्रैक्टिकल लर्निंग में

इजाफा होगा, जबकि स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट, वर्क व इंडस्ट्री एक्सपोजर की दिशा में भी फिल्म सिटी व फिल्म यूनिवर्सिटी सहायक सिद्ध होगी।